भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 6 APRIL 2026

STATSGURU

Airports gather speed, long runway for many

JAYANT PANKAJ

Prime Minister Narendra Modi inaugurated the first phase of Noida International Airport in Jewar on March 28. India has over 300 airports of various types, with more than 54 per cent currently operational, and around seven per cent remaining unused.

The number of airports in India has grown significantly, rising from 80 in 2015 to 162 in 2025. During this period, the proportion of non-operational airports has fluctuated between 7 per cent and 23 per cent. (Chart 1)

Uttar Pradesh, Maharashtra and Gujarat had the highest share of operational airports in 2025. (Chart 2)

Between 2023-24 and 2024-25, the share of domestic airports declined, and that of international and Customs airports increased. (Chart 3)

Concurrently, for leading joint ventures, the share of net profit in revenue declined; Indira Gandhi International Airport's profit share fell from 17 per cent to just 0.7 per cent. (Chart 4)

Private players have expanded their presence over the past decade, increasing their stakes and acquiring new airports. (Chart 5)

Globally, among large economies, India accounted for 0.7 per cent of the world's airports in 2024, while the United States, Germany, and China had the largest shares. (Chart 6)

StatsGuru is a weekly feature. Every Monday, *Business Standard* guides you through the numbers you need to know to make sense of the headlines

1 Operational airports double in a decade

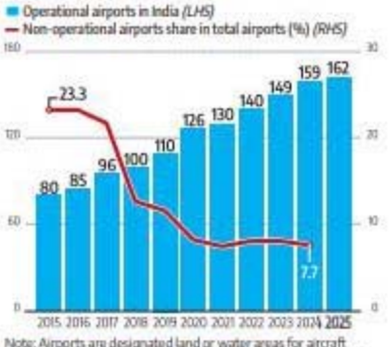

Note: Airports are designated land or water areas for aircraft operations, including aviation hubs. Sources: DGCA, Ministry of civil aviation, Parliamentary replies, *BS* calculations

2 UP has highest share of operational airports

Share of top five states in total operational airports in 2025 (%)

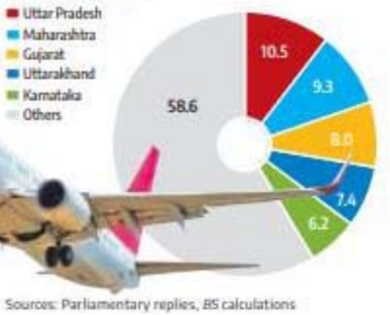

Sources: Parliamentary replies, *BS* calculations

3 Domestic-only share declines

Category-wise share of airports in India (%)

Note: International airports offer full immigration and Customs for cross-border travel, while domestic airports handle internal routes
Sources: DGCA, *BS* calculations

4 Profit declines for most joint-venture airports

Net profit as % of total revenue

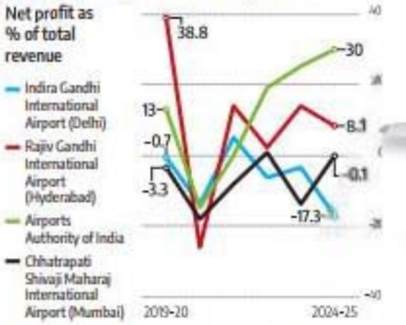

Note: Airports Authority of India manages 134 airports
Sources: Company annual reports, Tracxn, *BS* calculations

5 Private firms' dominance in the sector strengthens

Stakeholder	Stake (%) 2015	2025
Indira Gandhi International Airport (Delhi)		
GMR Airports Limited	54	74
Airports Authority of India	26	26
Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport (Mumbai)		
Adani Airport Holdings Limited	0	74
Airports Authority of India	26	26
Rajiv Gandhi International Airport (Hyderabad)		
GMR Airports Limited	63	74
Airports Authority of India	13	13
Government of Telangana	13	13
Kempegowda International Airport (Bengaluru)		
Fairfax India Holdings	0	54
Siemens Projects Ventures	26	20
Government of Karnataka	13	13
Airports Authority of India	13	13

Note: 0 stands for no stakes of a firm in an airport
Sources: Company annual report, media report, *BS* calculations

6 One of three airports globally in the US

Share of airports globally in 2024

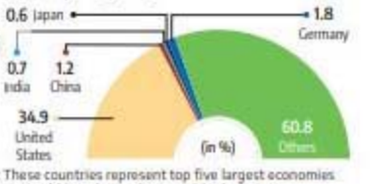

Note: These countries represent top five largest economies
Sources: World Population Review, *BS* calculations

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN KOLKATA 5 APRIL 2026

AAI marks 31st Annual Day 'Vyom' at Bharat Mandapam:

Airports Authority of India celebrated its 31st Annual Day, themed 'Vyom', at Bharat Mandapam on 1 April 2026, highlighting its role in India's fast-growing aviation sector. Union Civil Aviation Minister Rammohan Naidu Kinjarapu attended as the chief guest, while AAI Chairman Vipin Kumar praised the organisation's achievements. Employees were honoured with Chairman's Awards for excellence in operations, innovation, safety and customer service.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASSAM TRIBUNE GUWAHATI 5 APRIL 2026

LGBI Airport wins recognition

STAFF REPORTER

GUWAHATI, April 4: Lokapriya Gopinath Bardoloi International Airport (LGBIA), Guwahati, has been awarded the prestigious Zero Waste to Landfill (ZWL) Platinum – Class I Rating, marking a key milestone in its sustainability journey.

The recognition underscores the airport's commitment to responsible waste management, with an exceptional waste diversion rate of over 99.9 per cent and the integration of the 5R principles – Reduce, Reuse, Repurpose, Recycle, and Recover – across its operations.

With this achievement, LGBIA becomes the fifth airport under Adani Airports Holdings Limited (AAHL) to earn this distinction, alongside Trivandrum, Ahmedabad, Jaipur, and Lucknow airports, reflecting a collective push towards sustainable practices.

The airport has also attained Level L3 traceability of diverted waste streams, reinforcing a strong and transparent waste management system.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 6 APRIL 2026

पियर-सी से आइजीआइ एयरपोर्ट पर घटेगा ट्रांजिट टाइम

मुकेश ठाकुर ● जागरण

नई दिल्ली: राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डा से अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आने वाले सप्ताह में एक अलग पियर की सुविधा शुरू होने जा रही है। टर्मिनल-3 (टी-3) पर तैयार पियर-सी के शुरू होते ही न केवल अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या और संचालन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ट्रांजिट यात्रियों को तेज, आसान और बिना झंझट कनेक्टिविटी का सीधा लाभ मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, सभी विभागीय मंजूरियां अगले एक सप्ताह में मिलने की संभावना है, जिसके तुरंत बाद पियर-सी को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आपरेशनल कर दिया जाएगा। अभी तक जहां दो पियर अंतरराष्ट्रीय और दो घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होते थे, वहीं अब तीन पियर (ए,बी और सी) अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए इस्तेमाल होंगे और केवल एक पियर डी घरेलू उड़ानों के लिए। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को कम भीड़, तेज बोर्डिंग और बेहतर फ्लाइट मैनेजमेंट का फायदा मिलेगा। वहीं एक अन्य पियर ई का निर्माण कार्य चल रहा है, जो 2028 में पूरा होगा, जो सीधे रूप से टी-3 की क्षमता को 20 प्रतिशत तक बढ़ा देगा।

आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बोर्डिंग का गेट ● सौ. डायल

- **ट्रांजिट यात्रियों को मिलेगा फायदा, कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने का खतरा होगा कम**
- **पियर एक लंबा कारिडोरनुमा ढांचा होता है, जिसमें एयरोब्रिज के जरिये यात्री सीधे विमान में सवार होते हैं**

हवाई अड्डे के पियर एक लंबे कारिडोरनुमा ढांचे होते हैं, जो मुख्य इमारत से बाहर होते हैं। जहां विमान खड़े होते हैं और यात्री एयरोब्रिज के जरिए सीधे विमान में सवार होते हैं। पियर-सी को इंटरनेशनल जोन में बदलने से विमान पार्किंग और यात्री हैंडलिंग की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी, जिससे उड़ानों के बीच टर्नअराउंड टाइम भी कम होगा, जो उड़ान के समय को बचाएगा। अधिकारियों का कहना है कि भारतीय यात्रियों का रुझान तेजी से अंतरराष्ट्रीय यात्रा की ओर बढ़ा है। दक्षिण-पूर्व एशिया, यूरोप और मध्य एशिया के गंतव्यों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल टी-3 पर रोजाना करीब 1.05 लाख यात्री आते हैं, जिनमें लगभग 60 हजार अंतरराष्ट्रीय और 45 हजार घरेलू यात्री शामिल हैं। पियर-सी का सबसे बड़ा फायदा ट्रांजिट यात्रियों को मिलेगा। दुबई और सिंगापुर जैसे ग्लोबल हब की तर्ज पर विकसित की जा रही यह इस सुविधा में एयरपोर्ट पर एयरसाइड ट्रांसफर सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत यात्री बिना एयरपोर्ट से बाहर निकले ही एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल या एक फ्लाइट से दूसरी फ्लाइट तक पहुंच सकेंगे। बसों के जरिए यह ट्रांसफर होगा।

एयरपोर्ट पर बढ़ते यात्रियों संख्या के दबाव को संतुलित करने के लिए अन्य टर्मिनलों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। टर्मिनल-1 की सालाना क्षमता 1.7 करोड़ से बढ़ाकर चार करोड़ यात्रियों तक कर दी गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 6 APRIL 2026

पियर-सी शुरू होते ही आइजीआइ एयरपोर्ट पर घट जाएगा ट्रांजिट टाइम

मुकेश ठाकुर • जागरण

- ट्रांजिट यात्रियों को मिलेगा फायदा, कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने का खतरा होगा कम
- पियर एक लंबा कारिडोरनुमा ढांचा होता है जिसमें एयरोब्रिज के जरिये यात्री सीधे विमान में सवार होते हैं
- 60 हजार अंतरराष्ट्रीय और 45 हजार घरेलू उड़ानों के यात्री रोजाना टर्मिनल -3 पर आते हैं

नई दिल्ली : राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डा से अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आने वाले सप्ताह में एक अलग पियर की सुविधा शुरू होने जा रही है। टर्मिनल-3 (टी-3) पर तैयार पियर-सी के शुरू होते ही न केवल अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या और संचालन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ट्रांजिट यात्रियों को तेज, आसान और बिना झंझट कनेक्टिविटी का सीधा लाभ मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, सभी विभागीय मंजूरियां अगले एक सप्ताह में मिलने की संभावना है, जिसके तुरंत बाद पियर-सी को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आपरेशनल कर दिया जाएगा। अभी तक जहां दो पियर अंतरराष्ट्रीय और दो घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होते थे, वहीं अब तीन पियर (ए,बी और सी) अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए इस्तेमाल होंगे और केवल एक पियर डी घरेलू उड़ानों के लिए। इससे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को कम भीड़, तेज बोर्डिंग और बेहतर फ्लाइट मैनेजमेंट का फायदा मिलेगा। वहीं एक अन्य पियर ई का निर्माण कार्य चल रहा है, जो 2028 में पूरा होगा, जो सीधे रूप से टी-3 की क्षमता को 20 प्रतिशत तक बढ़ा देगा।

गौरतलब है कि हवाई अड्डे के पियर एक लंबे कारिडोरनुमा ढांचे होते हैं, जो मुख्य इमारत से बाहर होते हैं। जहां विमान खड़े होते हैं और यात्री एयरोब्रिज के जरिए सीधे विमान में सवार होते हैं।

आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए बोर्डिंग का गेट। सौ. डायल

पियर-सी को इंटरनेशनल जोन में बदलने से विमान पार्किंग और यात्री हैंडलिंग की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी, जिससे उड़ानों के बीच टर्नअराउंड टाइम भी कम होगा, जो उड़ान के समय को बचाएगा। अधिकारियों का कहना है कि भारतीय यात्रियों का रुझान तेजी से अंतरराष्ट्रीय यात्रा की ओर बढ़ा है। दक्षिण-पूर्व एशिया, यूरोप और मध्य एशिया के गंतव्यों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है। फिलहाल टी-3 पर रोजाना करीब 1.05 लाख यात्री आते हैं, जिनमें लगभग 60 हजार अंतरराष्ट्रीय और 45 हजार घरेलू यात्री शामिल हैं। पियर-सी का सबसे बड़ा फायदा ट्रांजिट यात्रियों को मिलेगा। दुबई और सिंगापुर जैसे ग्लोबल हब की तर्ज पर विकसित की जा रही यह इस सुविधा में एयरपोर्ट पर एयरसाइड ट्रांसफर सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत यात्री बिना एयरपोर्ट से बाहर निकले ही एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल या एक फ्लाइट से दूसरी फ्लाइट तक पहुंच सकेंगे। बसों के जरिए यह ट्रांसफर होगा, जिससे कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा और समय की भी बचत होगी।

एयरपोर्ट पर बढ़ते यात्रियों संख्या के दबाव को संतुलित करने के लिए अन्य टर्मिनलों की क्षमता भी बढ़ाई गई है। टर्मिनल-1 की सालाना क्षमता 1.7 करोड़ से बढ़ाकर चार करोड़ यात्रियों तक कर दी गई है, जबकि टर्मिनल-2 की क्षमता 1.7 करोड़ है। टी-3 पर बचा हुआ घरेलू पियर करीब 1.2 करोड़ यात्रियों को संभाल सकेगा। योजना के तहत अब टर्मिनल-1 और टर्मिनल-2 घरेलू उड़ानों का दबाव संभालेंगे, जबकि टी-3 को पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 6 APRIL 2026

Increase in number of flights per day at the Leh airport

18 Flights at Leh airport have been increased from eight to 18 per day, to boost air connectivity ahead of the peak tourism season, Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena said on Sunday. He said two more flights are expected to begin operations soon, providing flexibility for visitors, and invited holiday-makers to experience Ladakh for an "unforgettable" trip. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 6 APRIL 2026

नोएडा एयरपोर्ट से उड़ाने होंगी सस्ती! एयरलाइंस को मिलेंगे खास पैकेज

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

File Photo

■ **नई दिल्ली:** दूरी और कनेक्टिविटी की वजह से नोएडा एयरपोर्ट के सामने ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को अपनी ओर खींचने की चुनौती सबसे बड़ी है। इसके लिए नोएडा एयरपोर्ट ऑपरेटर विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहा है, जिससे लोगों को शुरुआत में दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से टेक ऑफ करना सस्ता पड़ सकता है। इसके अलावा यहां एयरलाइंस और आउटलेट खोलने वालों से भी कम चार्ज लेने की बात कही जा रही है।

दूरी पाटने के लिए टैक्सी कंपनियों से भी बातचीत शुरू

एविएशन सूत्रों का कहना है कि दिल्ली एयरपोर्ट के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट पर एयरलाइंस को कई तरह के पैकेज देने पर काम किया जा रहा है। जिसमें जीएमआर के दिल्ली एयरपोर्ट के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट पर एयरलाइंस कंपनियों से लैंडिंग, पार्किंग और एयरोब्रिज चार्ज कम वसूला जाएगा। उन्हें दिल्ली के मुकाबले यहां कुछ सस्ता एविएशन फ्यूल भी देने पर विचार है। इसके अलावा एयरलाइंस को टर्मिनल बिल्डिंग में भी काउंटर और अन्य सर्विस देने के लिए दिल्ली के मुकाबले कम चार्ज लिया जाएगा।

इसके अलावा शुरुआत में नोएडा एयरपोर्ट यात्रियों से दिल्ली के मुकाबले एयरपोर्ट डिवेलपमेंट फीस के नाम पर भी कम चार्ज वसूल सकता है। साथ ही यहां से खाना-पीना और शॉपिंग करना भी कुछ सस्ता होगा। ऐसे कुछ लोगों ने नोएडा एयरपोर्ट पर शॉप्स लेने के लिए संपर्क करना भी शुरू कर दिया है, जिनके आउटलेट दिल्ली एयरपोर्ट पर भी है। जब एयरलाइंस कंपनियों को विभिन्न तरह की सर्विसेज सस्ते में मिलेंगी तो इसका फायदा यात्रियों को भी मिलेगा। इन सब कारणों से लोगों को दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से टेक ऑफ करना सस्ता पड़ सकता है।

NBT Lens
खबरों के अंदर की बात

टिकट सस्ता, जेवर जाएंगे लोग?

अब सवाल ये है कि अगर दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से फ्लाइट खासतौर से डोमेस्टिक फ्लाइट का टिकट एक-दो हजार रुपये सस्ता भी हुआ तो क्या लोग दिल्ली की जगह नोएडा एयरपोर्ट से टेकऑफ करने को प्राथमिकता देंगे? इसमें सबसे बड़ी अड़चन दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट की दूरी है जो करीब 70 किमी है। दिल्ली-एनसीआर के दूसरे शहरों में रहने वालों को नोएडा एयरपोर्ट तक जाने के लिए कैब काफी महंगा पड़ेगा। अपनी कार से जाने वालों का भी पेट्रोल और पार्किंग का एक्स्ट्रा खर्च झेलना पड़ेगा। एयरपोर्ट तक जाने के लिए अभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट न के बराबर है। हालांकि, ऑपरेटर टैक्सी कंपनियों से कुछ सस्ती दरों पर टाइअप करने की कोशिश में है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 5 APRIL 2026

Forest clearance for Puri airport

SUBHASHISH MOHANTY

Bhubaneswar: The Centre has granted stage-1 (in-principle) approval for diversion of forest land for the construction of the proposed Shree Jagannath International Airport in Puri, clearing a major hurdle to the project.

However, the Opposition Congress on Saturday voiced concern over the airport's location.

Puri collector Dibya Jyoti Parida said: "We have received the approval. But there are many clauses in it, like afforestation, that we need to fulfil."

In a letter to the principal secretary (forests), government of Odisha, the ministry of environment, forest and climate change said: "After careful consideration of the proposal of the Government of Odisha and on the basis of recommendations of the Advisory Committee and approval of the same by the competent authority of MoEFCC, New Delhi, the Central government hereby accords in-principle or stage-1 approval under Section 2 (1) (iii) of the Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980, for diversion of 27.887 hectares of DLC forest land for construction of Shree Jagannath International Airport under Puri Forest Division."

DLC forest land refers to land identified by the district-level committee as having forest-like characteristics such as natural vegetation or tree cover.

The proposal for the airport was examined by the advisory committee under the Act on February 27, 2026. "After detailed evaluation and recommendation, the competent authority granted stage-1 approval," a senior official said.

The proposed airport is expected to significantly enhance direct connectivity between the pilgrimage town of Puri and other parts of the country.

However, the Congress raised objections. Odisha Pradesh Congress Committee president Bhakta Charan Das said: "If the airport comes up at the proposed site near the town, it will adversely impact the climate, the ecosystem and existing structures in Puri. The landing of large aircraft with high noise levels will also have a negative effect. The site should be shifted 25 to 30 kilometres away. We will not allow the airport to come up in Puri."

The Shree Jagannath Airport will be developed over 1,164 acres at an estimated cost of ₹5,631 crore. "The construction will take place in three phases. Once complete, it will have the capacity to handle 4.6 million passengers annually," a source in the chief minister's office said.

The airport will be built at Sipasaruabali, about 10km from the Puri sea beach.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 6 APRIL 2026

हवाई यात्रियों के लिए बने अधिकार चार्टर, सख्त जरूरत

■ संसदीय समिति की सिफारिश, कहा- मुआवजा, रिफंड की व्यवस्था मजबूत हो

नई दिल्ली। भारत में हर साल 35 करोड़ से ज्यादा लोग हवाई यात्रा करते हैं, लेकिन यात्रियों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई स्पष्ट कानूनी व्यवस्था नहीं है। इसे देखते हुए संसदीय समिति ने सरकार से एक औपचारिक यात्री अधिकार चार्टर बनाने की सिफारिश की है। समिति ने कहा है कि अगर उड़ान तय समय से ज्यादा देर हो या रद्द हो जाए, तो यात्रियों को मुआवजा मिलना चाहिए। उड़ान में खराब सेवा मिलने पर रिफंड अनिवार्य होना चाहिए और सामान खोने या खराब होने पर तय नियम के अनुसार मुआवजा दिया जाना चाहिए। शिकायतों के निपटारे के लिए समय-सीमा तय हो और नियमों का पालन न करने पर दंड का प्रावधान भी हो। समिति ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक स्वतंत्र विमानन लोकपाल बनाने पर भी जोर दिया है, ताकि यात्रियों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान हो सके।

■ **देश में पायलटों है कमी, 10 साल में 30 हजार की जरूरत पड़ेगी :** रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि देश में तेजी से बढ़ती उड़ानों के कारण पायलटों की कमी हो रही है। 2020 से 2024 के बीच करीब 5,700 पायलट लाइसेंस जारी किए गए। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 6 APRIL 2026

Dubai curbs on Indian carriers under scrutiny as Gulf conflict hits operations

BURNING FUEL. The issue was recently communicated to the government by the FIA, seeking review

Rohit Vaid
New Delhi

The disparity in air traffic access between India and Dubai is coming under scrutiny at a time when airlines on both sides are operating under exceptional conditions due to the ongoing Gulf conflict, sources told *businessline*.

Accordingly, the issue was recently flagged by the Federation of Indian Airlines (FIA) in a communication to the Ministry of Civil Aviation (MoCA), seeking review of capacity deployment in the current environment.

In the communication, FIA told MoCA that Dubai International Airport (DXB) authorities had mandated flight cancellations for the Northern Summer 2026 season between April 20 and May 31, restricting foreign carriers to only one rotation per day.

DENIED SPACE. Indian carriers flying to Europe and the United States are being forced to take longer routes, resulting in higher fuel burn and extended flight durations REUTERS

DIFFERENT RULES

However, UAE-based carriers, such as Emirates and FlyDubai, have resumed operations to India at pre-disruption levels and are not subject to similar restrictions, resulting in what industry stakeholders described as an uneven playing field.

Separately, industry sources told *businessline* that Emirates and FlyDubai together operate around 35 daily flights between Dubai and multiple Indian cities, while Indian carriers continue to have limited ability to scale up services on these routes, despite sustained demand on the corridor.

In its communication, the FIA noted that the continuation of such restrictions is already leading to anti-competitive market conditions, operational inefficiencies, substantial revenue losses and passenger inconvenience.

EXTENDED FLIGHTS

Speaking to *businessline*, industry stakeholders said with portions of airspace restricted, Indian carriers flying to Europe and the US are being forced to take longer routes, resulting in higher fuel burn and extended flight durations, in almost all cases adding hours to flight time. These operational challenges, coupled with higher fuel consumption, are further straining airline economics at a time when cost pressures remain elevated, sources added.

"The imbalance becomes more visible in situations like this. Indian carriers are dealing with longer routes and higher operating costs, while also having limited room to expand capacity where demand exists," an airline executive said.

According to industry stakeholders, the current situation reflects how capacity and access are being managed during a period of disruption, with airlines seeking a more balanced approach under existing bilateral arrangements.

Consequently, the industry body urged the government to engage with Dubai to remove the restrictions and allow Indian carriers to restore operations to pre-disruption levels.

It suggested that reciprocal measures could be considered, including restricting the operations of Dubai carriers in line with the cumulative seat capacity deployed by Indian airlines on the route.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 6 APRIL 2026

Iran war, airspace curbs may cost carriers ₹2.5K cr

SURAJEET DAS GUPTA
New Delhi, 5 April

Indian airlines are facing revenue losses of about ₹2,500 crore amid the ongoing conflict in West Asia, according to the latest estimates shared by the industry. The situation could deteriorate further if the war drags on and airspace across Iran — and, crucially, Pakistan — remains shut, eroding the economics of the lucrative India-Europe corridor.

The broader conflict in West Asia, the largest international market for Indian carriers, has forced a sharp reduction in daily flights relative to the summer schedule. The result: Significant underutilisation of capacity, grounded aircraft, and mounting revenue losses.

According to global aviation analysts, IndiGo, which has approval to operate 310 international flights a day in the summer schedule, is currently flying only about 60 per cent of that capacity. It has cut 115 flights to Gulf Cooperation Council (GCC) countries and another 10 to Commonwealth of Independent States (CIS) destinations where services from India have been suspended. The airline commands close to a 40 per cent share of the India-GCC route.

Turn to Page 6

Persistent turbulence

- West Asia is the largest international market for Indian carriers
- The conflict there has forced a sharp reduction in daily flights for the summer schedule
- IndiGo has approval to operate 310 international flights a day. But it's currently flying only about 60% of that capacity
- Estimates suggest Air India is operating 30-40 flights a day to the six GCC countries, against a schedule of more than 100 flights in the region
- Efforts are under way to redeploy capacity, say airline executives, but the process is slow

EDIT
Dire straits 9

West Asia conflict, airspace curbs cost carriers ₹2.5K cr

The Air India group is also affected. Estimates suggest it is operating only 30-40 flights a day to the six GCC countries (Bahrain, Kuwait, Oman, Qatar, Saudi Arabia, and the United Arab Emirates), against a schedule of more than 100 flights to the region.

Redeploying surplus capacity to domestic routes is, however, far from straightforward. "We don't know in advance how many flights are being permitted — it's often a last-minute decision in places like Dubai or Abu Dhabi," said a senior airline executive who did not wish to be named. "GCC carriers get priority in slot allocation. On certain routes like Ras Al Khaimah, traffic is largely one-way, with passengers returning to India. Aircraft have to depart empty, which is commercially unviable."

While efforts are under way to redeploy capacity, the process is slow, say airline executives. New routes require regulatory approvals, advance ticket sales, and sustained marketing — steps that can take a month or more. "The impact of the West Asia situation extends beyond point-to-point traffic," an executive said. "Indian carriers are building the country as a transit hub — bringing passengers from the GCC to Southeast Asia and Saarc (South Asian Association for Regional Cooperation) markets. Even this fledgling business is taking a hit."

And then there is the restricted airspace over Iran and, more critically, Pakistan — vital corridors for India-Europe operations. "Indian carriers are seeing 40-50 per cent higher block times due to the unavailability of Pakistani and some West Asian airspace," said an airline CEO. "That means higher fuel burn, which will translate into increased fuel surcharges for passengers. European and CIS carriers are not similarly affected, as they can overfly Pakistan."

The closure of Pakistani airspace has already forced Indian carriers like IndiGo to suspend services to CIS countries. A Delhi-Manchester flight, for instance, now takes over three hours longer, resulting in a 30-35 per cent increase in aviation turbine fuel consumption, at a time when fuel prices are themselves rising.

Even on long-haul US routes, Air India faces extended flying times of up to five hours due to airspace constraints, placing it at a disadvantage relative to European rivals. This has opened an opportunity for foreign carriers to position themselves as transit hubs for onward travel within Europe.

Indian airlines point to intensifying competition. Airspace disruptions have enabled foreign carriers to expand direct services between Europe and India, capturing market share. Lufthansa, for instance, has increased frequencies on four routes, including scaling Frankfurt-Delhi services from five weekly flights to daily operations starting the end of April. Swiss International Air Lines, Air Canada and British Airways are also planning frequency additions.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 6 APRIL 2026

पश्चिम एशिया युद्ध का असर

भारतीय विमान कंपनियों को 2,500 करोड़ की चपत

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 5 अप्रैल

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण घरेलू विमानन कंपनियों को आय में करीब 2,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उद्योग द्वारा हितधारकों के साथ साझा किए गए नवीनतम अनुमान के अनुसार यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है और ईरान तथा विशेष रूप से पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद रहता है तो स्थिति और खराब हो सकती है। इससे भारत-यूरोप के लाभदायक मार्ग की आर्थिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

पश्चिम एशिया भारतीय विमानन कंपनियों के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार है मगर वहां चल रहे संघर्ष की वजह से विमानन कंपनियों को दैनिक उड़ान की संख्या में भारी कटौती करनी पड़ी है। इसका नतीजा यह हुआ है कि क्षमता का काफी कम उपयोग हो रहा है, विमान बेकार खड़े हैं और आय का नुकसान लगातार बढ़ता जा रहा है। वैश्विक विमानन विश्लेषकों के अनुसार इंडिगो को गर्मियों के शेड्यूल में प्रतिदिन 310 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने की मंजूरी है मगर वह अपनी अनुमत सीमा का लगभग 60 फीसदी ही उड़ान भर रही है। इसने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों के लिए 115 उड़ानें और राष्ट्रमंडल गंतव्यों के लिए 10 उड़ानें रद्द कर दी हैं। भारत से इन गंतव्यों पर उड़ान सेवाएं निलंबित हैं। भारत-जीसीसी मार्ग पर इंडिगो की हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है।

एयर इंडिया समूह पर भी इसका असर पड़ा है। अनुमान के अनुसार एयर इंडिया छह खाड़ी देशों (बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात) के लिए प्रतिदिन 30 से 40 उड़ानें ही संचालित कर रही है जबकि इस क्षेत्र में उसकी 100 से अधिक उड़ानें निधारित हैं।

अतिरिक्त क्षमता का उपयोग घरेलू मार्गों पर करना आसान नहीं है। एक विमान कंपनी के एक वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा, 'हमें पहले से पता नहीं चलता कि कितनी उड़ानों की अनुमति दी जा रही है। यह अक्सर दुबई या अबू धाबी जैसे स्थानों में अंतिम मिनट में तय होता है। खाड़ी देशों के विमानों को स्लॉट आवंटन में प्राथमिकता मिलती है। रास अल खैमा जैसे कुछ मार्गों पर यातायात काफी हद तक एकतरफा होता है, जिसमें यात्री भारत वापस लौटते हैं और आम तौर पर विमानों को खाली उड़ान भरनी पड़ती है, जो व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य है।'

विमानन कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि क्षमता का पूरा उपयोग करने के प्रयास जारी हैं लेकिन यह प्रक्रिया धीमी है। नए मार्गों के लिए नियामक की मंजूरी, अग्रिम टिकट बिक्री और निरंतर मार्केटिंग की आवश्यकता होती है, जिसमें एक महीने या उससे अधिक समय लग सकता है। उक्त कार्याधिकारी ने कहा, 'भारतीय विमानन कंपनियां देश को 'ट्रांजिट हब' के तौर पर विकसित कर रही हैं। खाड़ी देशों से यात्रियों को दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन के बाजारों तक पहुंचा रही हैं। लेकिन मौजूदा हालात में यह उभरता हुआ कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।' एक विमानन कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी ने कहा, 'पाकिस्तान और कुछ पश्चिम एशियाई हवाई क्षेत्र की अनुपलब्धता के कारण भारतीय विमानन कंपनियों को 40 से 50 फीसदी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे ईंधन की खपत ज्यादा होती है।'

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने से इंडिगो जैसी भारतीय विमानन कंपनियों को राष्ट्रमंडल देशों के लिए सेवाएं निलंबित करनी पड़ी हैं जबकि अन्य मार्गों पर लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

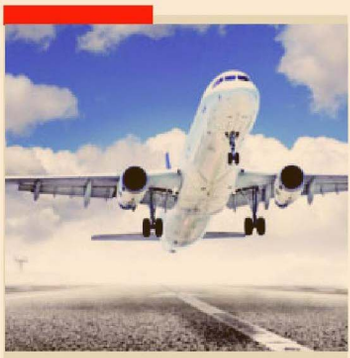

कारोबार पर असर

- ईरान तथा पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने से भारत की विमानन कंपनियों को हो रही मुश्किल
- पश्चिम एशिया में इंडिगो अपनी निर्धारित क्षमता से करीब 60 फीसदी उड़ानें ही कर रही संचालित
- युद्ध लंबा खिंचा तो बढ़ सकता है नुकसान
- कुछ गंतव्यों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करने से बढ़ रही ईंधन की लागत

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 6 APRIL 2026

दर्द | अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

मुआवजा नहीं, हादसे का सच चाहिए

अहमदाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे को हुए 10 महीने का समय बीत गया हैं। अब पीड़ितों के परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर' (सीवीआर) और 'ब्लैक बॉक्स' का डेटा जारी करने का आग्रह किया है। पीड़ितों ने कहा कोई भी मुआवजा इस दर्द को नहीं भर सकता है। इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 (बोइंग 787-8 का विमान) लंदन जाने वाली थी। लेकिन यह विमान 12 जून, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ही एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

विमान में आग लग गई जिससे उसमें सवार 242 लोगों में से 241 व्यक्तियों समेत जमीन पर मौजूद 19 लोगों की

मौत हो गई। गुजरात भर से लगभग 30 शोक संतप्त परिवार शनिवार को अहमदाबाद में एकत्रित हुए और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए सीवीआर और 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) का डेटा जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि दुर्घटना का कारण क्या था और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। इस पत्र की प्रतियां विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो , नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भेजी गईं। पत्र में कहा गया है कि अगर ब्लैक बॉक्स का डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम पीड़ितों के परिवारों के साथ निजी तौर पर साझा किया जाना चाहिए। पीड़ितों ने कहा कि कोई भी मुआवजा इस खालीपन को नहीं भर सकता। हमें पैसा नहीं चाहिए, हम बस यह जानना चाहते हैं कि क्या हुआ था।

- ब्लैक बॉक्स डेटा जारी करने की मांग
- हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 6 APRIL 2026

खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में हो रहा इजाफा : केंद्र

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। खाड़ी देशों से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और यूएई, सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट्स से विमान देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भर रहे हैं। यह जानकारी सरकार की ओर से रविवार को दी गई।

सरकार ने बताया कि रविवार को 90 नॉन-शेड्यूल उड़ानें यूएई से भारत आने की उम्मीद है। सऊदी अरब और ओमान के कई एयरपोर्ट से विमान भारत आ रहे हैं। कतर एयरस्पेस आंशिक रूप से खुला हुआ और करीब 8-10 उड़ानें भारत आने की उम्मीद है। मंत्रालय ने बताया कि कुवैत और बहरीन का एयरस्पेस बंद होने के बावजूद, दम्माम (सऊदी अरब) होते हुए भारत के लिए उड़ानें संचालित हो रही हैं। ईरान से यात्रा आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते संचालित की जा रही हैं।

इसी प्रकार, इजरायल से भारत की यात्रा मिस्र और जॉर्डन के रास्ते सुगम बनाई जा रही है, जबकि इराक से भारत की यात्रा जॉर्डन और सऊदी अरब के रास्ते की जा रही है। मंत्रालय ने आगे कहा कि ओमान के

■ ईरान से यात्रा आर्मेनिया व अजरबैजान के रास्ते की जा रही संचालित

तट पर एक जहाज पर हुए हमले में जान गंवाने वाले एक भारतीय नाविक का पार्थिव शरीर भारत वापस लाया गया है और शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास और भारतीय समुदाय लगातार संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा के लिए सहायता प्रदान करने और आवश्यक सलाह जारी करने का कार्य जारी रखे हुए हैं। ईरान में फंसे कुल 345 भारतीय मछुआरे शनिवार को स्वदेश लौट आए। तेहरान स्थित दूतावास ने उन्हें दक्षिण ईरान से आर्मेनिया तक पहुंचाने में सहायता की, जहां से उन्होंने चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 6 APRIL 2026

एअर इंडिया ने इजरायल के लिए उड़ानें 31 मई तक निलंबित कीं

यरुशलम, प्रेट्र : पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच एअर इंडिया ने इजरायल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। अधिकांश प्रमुख एयरलाइनों ने तेल अवीव मार्ग परसेवाएं सस्पेंड की हुई हैं। केवल इजरायली कैरियर जैसे ईएल एएल, इस्त्रा एयर, आर्किया और एयर हाइफा ही कड़ी पाबंदियों के तहत संचालन कर रहे हैं।

एअर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने नई दिल्ली-तेल अवीव मार्ग पर उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। उड़ानों के निलंबन ने इजरायल में रहने वाले 40,000 से अधिक भारतीयों के बीच चिंता बढ़ा दी है। इजरायल छोड़ने के इच्छुक भारतीयों को भूमिगत सीमा पार कर जार्डन या मिस्र जाना होगा। दूतावास के अंबेसडर जेपी सिंह और दूतावास की टीम ने शनिवार को इजरायल में भारतीय श्रमिकों और छात्रों के साथ वर्चुअल चर्चा की और उनकी चिंताओं-परेशानियों को सुना। साथ ही उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 6 APRIL 2026

Air India suspends flights to Israel till May 31

AMID THE ONGOING war in West Asia, Air India has suspended its flights to Israel till May 31. The suspension of flights has caused major worries among more than 40,000 Indians living in Israel who wish to travel to India. – PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 6 APRIL 2026

एयर इंडिया ने उड़ानें 31 मई तक रोकीं

यरुशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच एयर इंडिया ने इजरायल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं।

एयर इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली से तेलअवीव के बीच संचालित उड़ान सेवा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। इस रूट पर अधिकांश अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने भी अपनी सेवाएं बंद कर दी हैं। फिलहाल एल अल, इस्त्रायर, अर्किया और एयर हाइ जैसी इजरायली एयरलाइंस सीमित प्रतिबंधों के साथ उड़ानें चला रही हैं। इ

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 6 APRIL 2026

कतर से भारत के लिए ज्यादा उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी। कतर एयरवेज ने भारत के लिए अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की है। एयरवेज 15 अप्रैल तक की अवधि के लिए भारत में 10 जगहों के लिए सीमित, गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित कर रही है। साथ ही 16 अप्रैल से 15 जून तक भारत में 11 जगहों के लिए और उड़ानें संचालित करने को कहा है।

वहीं, राजधानी दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने वहां रह रहे भारतीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी है। दूतावास ने सभी से सख्ती से स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। दूतावास ने समाज की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए साझा जिम्मेदारी निभाने पर विशेष जोर दिया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 6 APRIL 2026

Indian airlines cancelled 10K flights since W Asia war began

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: More than 10,000 flights operated by Indian airlines have been cancelled since February 28 as airspace disruptions persist in West Asia following US-Israel military operations, according to people aware of the matter.

"Between February 28 and April 5, Indian airlines cancelled 10,341 flights, while foreign carriers reported 2,177 cancellations," an official said on condition of anonymity. "On Sunday alone, Indian airlines cancelled 284 flights, taking the cumulative total of passengers impacted to over 10.79 lakh [1.079 million]."

The disruptions stem from restrictions across key Middle East airspace corridors, forcing airlines to reroute flights, operate longer sectors, or suspend services altogether.

The cancellations impacted a cumulative total of 1.079 million passengers.

"The airspace status across the region remains unchanged since the last advisory issued on March 17. Despite the constraints, Indian airlines have sustained connectivity through a mix of scheduled and non-scheduled operations (NSOP), particularly on high-demand India–Middle East sectors," a second official said.

Between February 28 and April 3, Indian airlines carried 240,254 passengers and operated 45 NSOP movements, the official said. "Foreign airlines carried 443,881 passengers and undertook 18,924 NSOP movements during the same period," the second official added.

A third official said that on April 4, Indian carriers operated 44 inbound flights from West Asia, bringing back 8,061 passengers. "Overall, more than 730,000 passengers have been flown into India since the disruptions began," the third official said. "Indian airlines had planned 42 inbound flights from the region on April 5, indicating continued efforts to maintain passenger movement amid operational challenges," he added.

Officials confirmed that one Air India Express aircraft remains stranded in Abu Dhabi due to ongoing restrictions. However, they said domestic airport operations remain unaffected, with no congestion reported across Indian airports.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 6 APRIL 2026

एअर इंडिया का बड़ा फैसला

इजराइल के लिए 31 मई तक उड़ानें निलंबित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 5 अप्रैल।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच एअर इंडिया ने इजराइल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। एअर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि विमानन कंपनी ने नयी दिल्ली-तेल अवीव मार्ग पर 31 मई तक उड़ानें निलंबित कर दी हैं। तेल अवीव मार्ग पर अधिकतर प्रमुख विमानन कंपनियों ने अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं और केवल इजराइली विमानन कंपनियां जैसे एल अल, इस्रायर, अर्किया और एअर हैफा कड़ी पाबंदियों के बीच परिचालन कर रही हैं।

उड़ानों का निलंबित होना इजराइल में रह रहे 40,000 से अधिक भारतीयों के लिए चिंता का विषय है, जो निजी या पेशेगत कारणों से या

क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण ईरान से निकलना चाहते हैं। इजराइल छोड़ने के इच्छुक भारतीयों को जमीनी सीमा के जरिए जार्डन या मिस्र होकर जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय मिशन विभिन्न माध्यमों से यात्रा करने के इच्छुक लोगों की मदद कर रहा है।

दूतावास ने इस दौरान समुदाय के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है, चौबीसों घंटे सेवा देने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है और बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान भी चलाया है। मिशन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए बताया कि राजदूत जेपी सिंह और दूतावास के दल ने शनिवार को इजराइल भर में भारतीय कामगारों और छात्रों के साथ डिजिटल माध्यम से चर्चा की और उनकी चिंताएं सुनीं एवं उन्हें मौजूदा संकट के दौरान और उसके बाद भी लगातार सहयोग दिए जाने का भरोसा दिलाया।

नई दिल्ली और तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा एक जनवरी को सप्ताह में चार उड़ानों के साथ पुनः शुरू की गई थी और इसके लिए उन्नत बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमले किए जाने के बाद से उड़ानें बाधित हैं। ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह युद्ध पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैल गया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 6 APRIL 2026

अहमदाबाद प्लेन हादसे के पीड़ित परिवारों का पीएम मोदी को लेटर

नई दिल्ली/अहमदाबाद, लोकसत्य। अहमदाबाद में एअर इंडिया प्लेन क्रैश के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने PM से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है।

परिजनों ने कहा, "हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी।" परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए।

12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8

- **कहा- हम पैसे नहीं, हादसे की वजह जानना चाहते हैं, ब्लैक बॉक्स डेटा की मांग**

विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हुई थी।

पीड़ित परिवारों ने PM को लिखे लेटर में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है। उन्होंने कहा, "वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट है, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना लगभग नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन चोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने कहा, "सिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते।" उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 6 APRIL 2026

OMCs to cut refinery payouts to curb losses

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI

In a first since fuel price deregulation, Indian state-run oil marketing companies will pay refineries a discounted price for petrol, diesel, aviation turbine fuel (ATF) and kerosene to limit mounting losses from a self-imposed freeze on retail fuel prices, sources said.

The oil marketing companies (OMCs) on 26 March fixed rates for petroleum products that are at a discount of up to ₹60 per litre to their imported cost, two people with direct knowledge of the matter said. The discounted rates, which are applicable with effect from 16 March, will hit standalone refiners such as MRPL, CPCL and HMEL the most.

The discounted rates, applicable from 16 March, will hit standalone refiners such as MRPL, CPCL and HMEL the most

International oil prices have risen from about $70 per barrel before the West Asia war to over $100, but retail petrol and diesel prices in India have remained unchanged, forcing OMCs to absorb the impact.

With no immediate end to the conflict in sight, OMCs have decided to fix a discount on the refinery transfer price (RTP)—the internal price at which refineries sell fuel to marketing arms—to effectively pay refineries less than the import-parity cost of the fuels like petrol and diesel.

For the second half of March, a discount of ₹22,342 per kilolitre (₹22.34 per litre) was fixed on diesel to bring down the RTP of ₹85,349 per kl to ₹63,007 per kl.

For the first fortnight of April, the discount on diesel has been fixed at ₹60,239 per kl to lower RTP from ₹146,243 per kl to ₹86,004 per kl. On ATF, the RTP has been slashed to ₹76,923 per kl from ₹127,486 per kl after considering a discount of ₹50,564 per kl. The RTP for kerosene after a discount of Rs 46,311 per kl has been fixed at Rs 77,534 per kl from Rs 123,845 per kl, they said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 6 APRIL 2026

Air India's direct flight service between New Delhi and Tel Aviv was relaunched on 1 January.

Air India halts Israel flights till 31 May

Amid the ongoing war in West Asia, Air India has suspended its flights to Israel till 31 May.

An Air India executive confirmed to *PTI* that the airline has suspended flights on the New Delhi-Tel Aviv route till 31 May.

Most leading airlines have suspended their operations on the Tel Aviv route with only Israeli carriers like El Al, IsraAir, Arkia and Air Haifa operating under severe restrictions.

The suspension of flights has caused major worries among more than 40,000 Indians living in Israel. Indians looking to leave Israel have to go through Jordan or Egypt by entering the two countries through land crossings.

The Indian mission in Tel Aviv has been assisting those looking to travel through various means. The embassy has also maintained regular contact with the community during the period, opening a 24x7 emergency line and also launching a massive registration drive.

The direct flight service between New Delhi and Tel Aviv was relaunched on 1 January with four weekly flights, utilizing the advanced Boeing 787 Dreamliner aircraft. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 6 APRIL 2026

Air India suspends flights to Israel till May 31

HARINDER MISHRA
■ Jerusalem

Amid the ongoing war in West Asia, Air India has suspended its flights to Israel till May 31.

An Air India executive confirmed to PTI that the airline has suspended flights on the New Delhi-Tel Aviv route till May 31.

Most of the leading airlines have suspended their operations on the Tel Aviv route with only Israeli carriers like El Al, IsraAir, Arkia and Air Haifa operating under severe restrictions.

The suspension of flights has caused major worries among more than 40,000 Indians living in Israel who wish to travel to India for personal or professional reasons, or even to escape the escalating tensions in the region.

Indians looking to leave Israel have to go through Jordan or Egypt by entering the two countries through the land crossings.

The Indian mission in Tel Aviv has been assisting those looking to travel through various means.

The embassy has also maintained regular contact with the community during the period, opening a 24x7 emergency line and also launching a massive registration drive.

Ambassador J P Singh and the embassy team on Saturday held virtual discussion with Indian workers and students across Israel to listen to their concerns, assuring them of "constant support during the ongoing crisis, and beyond", the mission said on its social media handle.

The direct flight service between New Delhi and Tel Aviv was re-launched on January 1 with four weekly flights, utilising the advanced Boeing 787 Dreamliner aircraft. However, flights have been disrupted ever since the US and Israel jointly attacked Iran on February 28.

The retaliation by the Islamic Republic extended the war to the entire Gulf region. The conflict has taken a major toll on energy supply chains, especially across the Strait of Hormuz. (*PTI*)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 6 APRIL 2026

Air connectivity boost for Leh with 18 flights a day to enhance tourist footfall

STATESMAN NEWS SERVICE
Jammu, 5 April

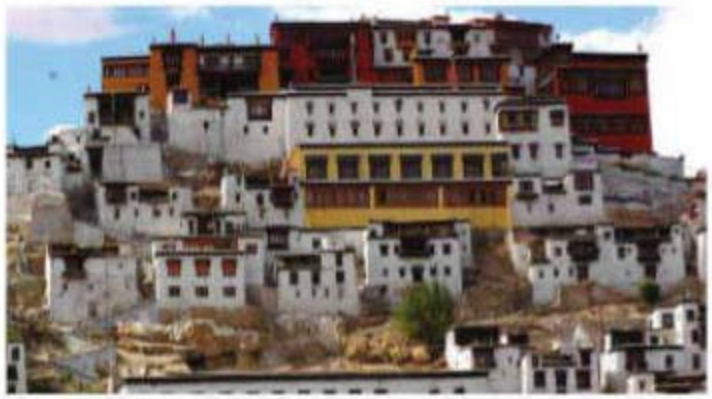

With the onset of the tourist season, air connectivity to Ladakh has received a major boost as daily flight operations at Leh's Kushok Bakula Rimpoche Airport have increased sharply from eight to 18 flights from 1 April.

These operations include two chartered flights to Delhi and Chandigarh, along with regular scheduled services connecting Leh with major destinations such as Delhi, Mumbai, Srinagar, and Chandigarh.

Lt. Governor VK Saxena on Sunday welcomed the increase in flight frequency and reiterated the administration's commitment to strengthening infrastructure and connectivity in Ladakh. "Ladakh is all set to welcome a larger number of visitors than before", the LG wrote on X.

The LG highlighted that the new terminal building at Kushok Bakula Rimpochee Airport, which is nearing completion, will significantly enhance passenger handling capacity and provide a modern travel experience, thereby boosting tourist footfall in the region. Reaffirming his vision, the LG stated that continuous efforts are being made to position Ladakh as one of the best tourist destinations in the country, with a focus on sustainable and well-planned development.

An official spokesman said that additionally, two extra flights by Air India have been approved and are expected to commence operations shortly, which will further enhance connectivity and provide tourists and residents, a greater flexibility to plan their journeys to and fro from Leh.

The development comes as a result of sustained efforts led by LG VK Saxena to improve connectivity with Ladakh.

A delegation of tourism stakeholders comprising members of the All Ladakh Tour Operators Association (ALTOA), All Ladakh Hotel and Guest House Association (ALHGHA), and All Kargil Travel Trade Association (AKTTA) had earlier called on the LG, and requested his intervention in increasing the frequency of flights to Ladakh to facilitate a rise in tourist footfall in the region.

It is pertinent to mention that tourist inflow in Ladakh had witnessed a sharp decline last year following the Pahalgam terror incident and adversely affected the livelihoods of those dependent on tourism-related activities.

The increase in flight operations is expected to play a crucial role in restoring tourists' confidence and revitalizing the local economy.

The increase in daily flight operations also assume significance in wake of the upcoming Great Exposition of the Holy Relics of Buddha at Leh in May, followed by the first ever Sindhu Maha Kumbh in June this year. These mega events are expected to attract a large number of domestic and international tourists.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 6 APRIL 2026

Flights to Leh rise sharply with start of tourist season

OUR CORRESPONDENT

JAMMU, APRIL 5

In a boost to air connectivity and the tourism sector in Ladakh, the onset of the new tourist season has led to a significant increase in the number of daily flights operating to Leh from April 1.

According to the flight schedule for April 2, operations at Kushok Bakula Rimpochee Airport in Leh rose sharply from eight flights (including two charter services) to a total of 18 flights in a single day. These include two charter flights to Delhi and Chandigarh, along with regular scheduled services connecting Leh to major cities such as Delhi, Mumbai, Srinagar and Chandigarh.

"Additionally, two extra flights by Air India have been approved and are expected to commence operations shortly. This will further enhance connectivity and provide greater flexibility for tourists and residents planning their journeys to and from Leh," a spokesperson said.

The development comes as a result of sustained efforts led by Lieutenant Governor VK Saxena to improve connectivity with Ladakh. Earlier, a delegation of tourism stakeholders—including members of the All Ladakh Tour Operators Association (ALTOA), All Ladakh Hotel and Guest House Association (ALHGHA), and All Kargil Travel Trade Association (AKTTA)—met the L-G and requested an increase in flight frequency to boost tourist footfall in the region.

An aircraft takes off from Kushok Bakula Rimpochhe Airport in Leh. FILE

It is noteworthy that tourist inflow in Ladakh witnessed a sharp decline last year, adversely affecting livelihoods dependent on tourism-related activities. The increase in flight operations is expected to play a crucial role in restoring tourist confidence and revitalising the local economy.

The enhanced flight connectivity also assumes significance in view of upcoming major events, including the Great Exposition of the Holy Relics of Buddha in May and the first-ever Sidhu Maha Kumbh in June. These events are expected to attract a large number of domestic and international visitors.

Welcoming the increase in flight frequency, the Lieutenant Governor said the new terminal building at Kushok Bakula Rimpochee Airport, which is nearing completion, will significantly enhance passenger handling capacity and offer a modern travel experience, thereby boosting tourism in the region.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 6 APRIL 2026

Families of Ahmedabad AI crash victims seek release of black box data, write to PM

AHMEDABAD, APRIL 5

Ten months after the tragic Air India plane crash that killed 260 persons, bereaved families of the victims have written to Prime Minister Narendra Modi, urging the release of the Cockpit Voice Recorder (CVR) and black box data.

Air India flight AI 171, a Boeing 787-8 aircraft en route to London, crashed into a medical college hostel complex shortly after take-off from Sardar Vallabhbhai Patel International Airport here on June 12, 2025.

Around 30 bereaved families from across Gujarat met in Ahmedabad on Saturday and wrote a letter to the PM, requesting the release of the CVR and 'black box' data to uncover the truth behind the calamity.

"We want to know the truth about what caused the crash and whether there was any technical problem," they said.

The letter, copies of which were sent to the Aircraft Accident Investigation Bureau, Directorate General of Civil Aviation and Gujarat Chief Minister Bhupendra Patel, stated that if the black box data cannot be made public, it should at least be shared with the victims' families, privately.

"My home feels empty now," said Nilesh Purohit, who lost his 24-year-old son in the crash. "No amount of compensation can fill this void. We don't want money, we just want to know what happened," he said.

Kinjal Patel from Vasad, who lost her mother, described the difficulty of using the website created by Air India recently to help families recover victims' belongings.

"There are over 25,000 items listed, but the images are unclear. It's almost impossible to find anything," she said.

Others voiced concerns over the lack of accessible communication channels. Romin Vora from Kheda, who lost his mother, brother and daughter, spoke about the struggles faced by families unfamiliar with digital tools. The airline's response was awaited. — PTI